

स्वास्थ्य पर उस का कोई हानिप्रद असर न पड़े ?

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य के इस सुझाव पर भी गौर कर लिया जायेगा ।

श्री रामेश्वरानन्द : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी की प्रोर से मेरे प्रश्न का उत्तर घाना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : आप ने कहा कि यमुना का पानी खराब होता जाता है और उसे शुद्ध करने की बनिस्बत दिल्ली में उपयुक्त स्थान पर ट्यूबवैल लगाये जायें ताकि उनसे पीने के वास्ते शुद्ध जल निकाला जा सके, उस पर मैं ने मिनिस्टर सहाब से कहा कि वे इस पर विचार कर लें अब और इस से ज्यादा आप क्या चाहते हैं ?

श्री रामेश्वरानन्द : कोई एसी योजना है उन के पास ?

अध्यक्ष महोदय : यही तो मैं मंत्री जी को कह रहा हूँ कि कोई एसी योजना वे ताकि स्वामी जी को तसल्ली हो ।

Unemployment during Fourth Plan

+

*324. { **Shrimati Savitri Nigam:**
Shri Yashpal Singh:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri P. E. Chakraverti:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri K. N. Tiwary:
Shri Hem Barua:
Shri Mohan Swarup:
Shri Indrajit Gupta:
Shri P. C. Borooah:

Will the Minister of Planning be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 503 on the 1st October, 1964 and state:

(a) whether all those development schemes and the guiding principles which would be ultimately responsible for removing unemployment during

the Fourth Plan period have been finalised; and

(b) if so, the broad outlines thereof?

The Minister of Planning (Shri B. E. Bhagat): (a) Work on development programmes under the Fourth Plan is still in progress.

(b) Does not arise.

Shrimati Savitri Nigam: May I know whether the Commission has decided how much will be invested in each of the sectors—cottage industries, heavy industries and small-scale industries—in order to provide employment?

Shri B. R. Bhagat: Yes, Sir. The preliminary memorandum contains all the information.

Shrimati Savitri Nigam: May I know whether all the schemes, such as manpower utilisation scheme and others, which are aimed at solving unemployment, are going to be repeated in the Fourth Plan?

Shri B. R. Bhagat: They will not only be repeated but revised and expanded in the Fourth Plan.

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार के पास इस तरह का कोई हिसाब है कि जब तृतीय पंचवर्षीय योजना समाप्त होगी तो उस वक्त कितने बेरोजगार हिन्दुस्तान में रह जायेंगे ? कितने देहातों में होंगे और कितने शहरों में होंगे ?

श्री ब० रा० भगत : हाँ, मोटे तौर से मैं कह सकता हूँ कि तृतीय पंचवर्षीय योजना के समाप्त होने तक 13 मिलियन आदमियों को काम मिलेगा और जो बेकार आदमी रह जायेंगे उन की संख्या 2.3 मिलियन होगी ।

Shri Ranga: How many in towns and how many in villages?

Mr. Speaker: He says he has not got the figures for the villages.

Shri S. M. Banerjee: As the unemployment figures will increase after the Third Plan is over, apart

from giving some general assurances to the people, has the Government in mind some schemes like unemployment insurance for those who are registered as unemployed for inclusion in the Fourth Plan?

Shri B. R. Bhagat: We are opposed to unemployment doles. So far as the question of providing unemployment insurance is concerned, it is being examined.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : पहली और दूसरी पंचवर्षीय योजनाओं के परिणाम इस बात के साक्षी हैं कि सरकार ने जितने व्यक्तियों को रोजगार देने का आश्वासन दिया था, उतने व्यक्तियों को वह रोजगार नहीं दे सकी। माननीय मंत्री ने तृतीय पंचवर्षीय योजना के सम्बन्ध में कुछ अनुमानित आंकड़े दिये हैं। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में इस प्रकार का कार्यक्रम तैयार किया जायेगा कि सरकार जितने लोगों को रोजगार देने का आश्वासन दे, उतने व्यक्तियों को काम में खपा सके।?

श्री ब० रा० भगत : तीसरी पंचवर्षीय योजना में 140 लाख यानी 14 मिलियन आदमियों को काम देने का टारगेट बनाया गया था। उस के बजाये 130 लाख यानी 13 मिलियन आदमियों को काम मिला। यह बात सही कि जितने आदमियों को काम देने का टारगेट बनाया गया था, उन से कम आदमियों को काम मिला। ऐसा योजना के पूरी तरह से कार्यान्वित न होने के कारण हुआ या इस कारण हुआ कि तृतीय पंचवर्षीय योजना के वित्तीय टारगेट—फिनांशल टारगेट—तो पूरे हो गए, लेकिन दाम बढ़ने के कारण फिजिकल टारगेट में कुछ कमी रही। पिछले अनुभव के आधार पर हम इस बात पर गौर कर रहे हैं कि हम चौथी पंचवर्षीय योजना में अपनी अप्पेरेशनल एफिशेंसी को बढ़ा सकें, फेज्ड प्रोग्राम बना कर फिजिकल प्रोग्राम को पूरा कर सकें और उस के आधार पर टारगेट पूरा किया जा सके।

Shri P. B. Chakraverti: Keeping in view that there will be more than 30 million unemployed at the end of this Plan, may I know whether Government propose to introduce some measure for giving them relief in the form of security measures?

Shri B. R. Bhagat: Apart from trying to absorb all the new entrants during the Fourth Plan, we are working out some scheme of unemployment insurance. We are examining it. We have to work out the financial and other aspects of it first.

श्री विभूति मिश्र : हमारे मंत्री जो बड़े न्यायी आदमी हैं और वह लोगों को रोजी-रोटी देने के सम्बन्ध में योजना बना रहे हैं। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या इस बात की व्यवस्था की जाएगी कि देश के हर इलाके के लोगों के साथ समान रूप से न्याय हो और उन सब को ठीक तरह काम मिले।

श्री ब० रा० भगत : इस पर पूरी तरह से विचार किया जाता है।

श्री विभूति मिश्र : इस पर ठीक विचार नहीं किया जाता है।

श्री क० ना० तिवारी : जिस तरह थर्ड फ्राइव-यीयर प्लान में शार्टफ़ाल हुआ है, उसी तरह सम्भव है कि फोर्थ-फाइव यीअर प्लान में भी शार्टफ़ाल हो उस हालत में मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या इस बात का तख्तीना लगाया गया है कि कितने लोग बेरोजगार रह जायेंगे और उन को रोजगार देने की क्या व्यवस्था की गई है।

श्री ब० रा० भगत : ग्रन्थम महोदय, पिछले जबाब में जो अशुद्धि रह गई थी, मैं उसको करेक्ट करना चाहता हूँ मैं ने चौथी पंचवर्षीय योजना के शुरू में बैकलाग 23 मिलियन बताया था 23 मिलियन तो नये लोग होंगे, जो कि काम खोजने आयेंगे। अनएम्प्लाय-मेंट का बैकलाग 12 मिलियन होगा। चौथी पंचवर्षीय योजना में प्रोग्राम पूरा हो,

इस के लिए हम इंटीसिव लेबर स्कीम्स और करल वर्क्स की योजनायें बना रहे हैं और हम चाहते हैं कि हम उस प्रोग्राम के फिजिकल टारगेट्स पूरे करें।

Shri P. C. Borooah: May I know whether it is a fact that in the formulation of the Fourth Plan the planners have in mind that it should be a production-oriented and not employment-oriented plan and, if so, what action is proposed to be taken to see that more employment opportunities are provided to the unemployed and under-employed?

Shri B. R. Bhagat: It will be both production-oriented as well as employment-oriented.

Shri S. N. Chaturvedi: May I know why Government is working at cross purposes by launching schemes like pre-fabricated houses which create or cause a lot of unemployment in the building trade?

Shri B. R. Bhagat: I do not know if pre-fabricated houses cause a lot of unemployment. If it is so, we have to find out other means of giving them employment.

Mr. Speaker: Probably he means they are not labour-intensive.

Shri Narendra Singh Mahida: Will the Minister give the figures of educated unemployed persons during the Plan period?

Shri B. R. Bhagat: I want notice for that.

श्री श्रीकार लाल बेरवा : मैं यह जानना चाहता हूँ कि जो संख्या माननीय मंत्री जी ने बताई है क्या उस में खेतिहर मजदूर भी शामिल है हैं अगर नहीं, तो सरकार उन के लिए क्या कर रही है।

श्री ब० रा० भगत : वे भी शामिल हैं।

श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या सरकार के ध्यान में यह बात आई है कि कई कारखानों में भेजदूरों के छंटन कर द गई हैं, जिससे

बहुत से मजदूर बेकार हो गये हैं? क्या सरकार इस बारे में कोई कदम उठाने का विचार कर रही है कि चौथी पंच-वर्षीय योजना के दौरान में ग्रै-सरकारी क्षेत्र में यह कार्यवाही न की जाये ?

श्री ब० रा० भगत : इस पर लेबर मिनिस्ट्री समय समय पर ध्यान देती है।

श्री शिव नारायण : सरकार ने कहा है कि वह १३ मिलियन लोगो को रोजी नहीं दे पाई है। मैं यह जनना चाहता हूँ कि जिन को रोजी नहीं दी गई है, क्या उनको सबसिडी के तोर पर कुछ पैसा दिया जायेगा, ताकि वे स्माल स्केल इंडस्ट्रीज चला सकें और क्या सरकार उनको पेंशन देगी, जो कि फ़ारेंल कंट्रीज में दी जाती है।

अध्यक्ष महोदय : इस का जबाब दे दिया है।

श्री शिव नारायण : पेंशन के बारे में जवाब नहीं दिया है।

Shri P. Venkatasubbaiah: In the Memorandum of the Fourth Plan, it has been stated that by the end of the Third Plan 3.5 million people will be employed in the agricultural sector so far as the increased agricultural production is concerned. If that is so, may I know whether that target will be reached and, if not, what would be the back-log for the Fourth Plan?

Shri B. R. Bhagat: So far as the agricultural sector is concerned, the actual achievement in agriculture during the Third Plan will be 3.5 million.

श्री हलजीत सिंह : मैं यह जनना चाहता हूँ कि जो डेम्ड और दूसरे प्राजेक्ट्स कम्पलीट हो चुके हैं, वहां ग्रनएम्प्लायमेंट ज्यादा बढ़ गया है, क्या उस के सम्बन्ध में विचार किया जा रहा है।

श्री ब० रा० भगत : यह तो भ्रमल भ्रमल स्कीमों का सवाल है। उन पर जरूर विचार क्या जायेगा।

श्री हलधीत सिंह : जो डैम और प्राजेक्ट मुकम्मल हो गए हैं, जैसे भाकड़ा डैम, वहां लोग बेकार हो गए हैं। क्या उस बेकार को दूर करने के लिए कोई विचार किया जा रहा है ?

श्री ब० रा० भगत : जो दूसरे प्राजेक्ट्स बनते हैं, उन में उन लोगों को लगाने की कोशिश की जाती है या दूसरा काम देने की कोशिश की जाती है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : तब तक वे बेचारे क्या करेंगे ?

Shri Ranga: Is it not a fact that Government have not inaugurated or instituted any special schemes to provide employment to agricultural labour as such and that the under-employment from which they have been suffering has yet to be tackled?

Shri B. R. Bhagat: All these are very big problems and the hon. Member will realise that they cannot be tackled during the course of one Plan period. It has to be a programme over a period. We have been trying to tackle the problem in the Third Plan and in the Fourth Plan we are undertaking various schemes so as to provide more employment in areas where the incidence of unemployment is more due to concentration of population. We are also developing rural works and other schemes so as to provide more employment in the rural areas.

श्री भागवत झा साहब : तृतीय पंच-वर्षीय योजना के अन्तिम वर्ष में यह स्पष्ट हो गया है कि हर योजना में बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्या चौथी पंच-वर्षीय योजना में बाजार में धाने वाले 230 लाख आदिमियों का

इन्तजाम होगा या 130 लाख लोगों का जो बेकलाग हैं, उस का भी इन्तजाम होगा होगा तो विकास योजनाओं और मार्गदर्शी सिद्धान्तों की किन बातों पर विचार किया जायेगा ?

श्री ब० रा० भगत : कोशिश यह की जा रही है कि चौथी योजना जो नई लेबर फोर्स है यानी 230 लाख जो अभी माननीय सदस्य ने बताया है, उनको पूरा का पूरा काम मिल जाए कम से कम इतना हो जाए। उसके बाद और पीछे जो लोग बचे हैं उनको भी जहां तक सम्भव हो काम मिल जाए।

Foreign Capital

+

Shri D. C. Sharma:

Shri P. C. Borooah:

Shri Sidheshwar Prasad:

Shri Yashpal Singh:

Shri P. R. Chakraverti:

Shrimati Renuka

Barkataki:

Shri D. B. Raju:

Shri Kolla Venkaiah:

Shri M. N. Swamy:

*383.

Shri Harish Chandra Mathu

Shrimati Renuka Ray:

Shrimati Savitri Nigam:

Shri Indrajit Gupta:

Shri Daji:

Dr. Ramen Sen:

Shri Dhan Bhattacharyya:

Shri Bishwanath Roy:

Shri Brajeshwar Prasad:

Shri M. L. Dwivedi:

Shri S. C. Samanta:

Shrimati Ramdulari Sinha:

Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether the question of giving incentives to bring about increased equity participation by foreign capital has been considered; and

(b) if so, the outcome thereof?

The Minister of Planning (Shri B. R. Bhagat): (a) and (b). Some incentives were being given all these years to capital investment which applied to